भूकंप

भयभीत न हों ... जानकारी रखें, क्या करें : भूकंप से पहले, भूकंप के दौरान और भूकंप के बाद

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

(गृह मंत्रालय, भारत सरकार)

5–बी, आई. आई. पी. ए. परिसर, महात्मा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली–110002

दूरभाष – 011–2370 2432, फैक्स – 011–2370 2446

वेबसाइट : www.nidm.gov.in

Towards a disaster free India.....

क्या करें.......? क्या न करें........?

भूकंप से पहले

- अपने क्षेत्र के भूकंपीय वर्गीकरण की जानकारी रखें।
- अपने मकान का निर्माण करते समय सुनिश्चित करें कि वह आपकी सुरक्षा के लिए डिजाइन किया गया है। यह देखें कि आपकी ईमारत को भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) (IS:18932002) की संहिताओं द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप डिजाइन एवं निर्मित किया गया है। (अधिक विवरण के लिये www.ndma.in, www.bmtpc.org और www.nicee.org में देखें)।
- अपने पुराने मकान की सिविल इंजीनियर से जाँच करायें तथा बताये गये परामर्शो पर इंजीनियर की निगरानी में अमल करें।
- अपने निवास स्थान पर सुरक्षित स्थानों, जैसे कि मजबूत मेज, डेस्क के नीचे या अन्य सुरक्षित स्थान का चयन करें, जहाँ पर भूकंप के दौरान आसानी से पहुंचा जा सके। इन जगहों पर "झुको, ढ़को और पकड़ो" पर कम से कम महीने में एक बार अभ्यास जरूर करें।
- भूकंप के बारे में आधारभूत सुरक्षा, सावधानियाँ इत्यादि सीखने के लिए घर, स्कूल या कार्यस्थल में बैठक/संगोष्ठी का आयोजन निरन्तर रुप से करें।
- अपने घर पर भूकंप आपातकालीन किट अवश्य रखें। इसमें कम से कम तीन दिनों के लिए खाद्य सामग्री तथा अपनी सुरक्षा से जुड़ी सभी आवश्यक वस्तुऐं शामिल हों।
- भूकंप का पूर्वानुमान लगाना संभव नहीं है। अत: अफवाहों पर ध्यान न दें और ना ही उन्हें फैलाएं।

भूकंप के दौरान

- भयभीत न हों, शांत रहें।
- भूकंप के दौरान फर्श पर झुक कर किसी मजबूत मेज या डेस्क के नीचे शरण लें तथा इसे कस कर पकड़ लें। कम्पन रूकने तक वहीं प्रतीक्षा करें।
- अगर आप बाहर हैं तो खुली जगह पर जायें व ईमारतों, पेड़ों, तंग गलियों और बिजली के खम्बों व तारों से दूर रहें। खुली जगह पर ही रहें जब तक कम्पन रूक न जाए।
- अगर आप वाहन में हैं तो खुली जगह पर वाहन रोकें और वहीं पर रहें, जब तक कम्पन रूक न जाए। क्षतिग्रस्त हो गए पुलों/फ्लाईओवर को पार करने की कोशिश न करें।
- अगर आप संरचना की दृष्टि से मजबूत ईमारत में हैं तो वही रहें। यदि किसी पुराने कमजोर भवन में हैं तो निकटतम एवं सुरक्षित रास्ते से बाहर निकलें।
- यदि आप तटीय क्षेत्र में हैं, तो सुरक्षित स्थान पर जायें और सुनामी चेतावनी का पालन करें। (अधिक विवरण के लिए www.incois.gov.in में देखें)
- यदि आप पहाड़ी क्षेत्रों में हैं, तो सतर्क रहें। भूस्खलन होने एवं चट्टानों के गिरने के स्थान से दूर हो जाएं।

भूकंप के बाद

- अपनी व दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखें। घायलों को चिकित्सा सेवा प्रदान करने का प्रबंध करें।
- रेडियो/टीवी द्वारा आवश्यक सूचना एवं निर्देश प्राप्त करें एवं उनका पालन करें।
- टूटी हुई बिजली या गैस लाइनों की जाँच करें और क्षतिग्रस्त क्षेत्रों से बाहर रहें।
- अति तीव्र कम्पन के पश्चात, पश्चातवर्ती झटकों के लिए तैयार रहें।
- आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त ईमारतों में प्रवेश नहीं करें। बाद के बड़े झटकों से ईमारतों को और क्षति हो सकती है तथा कमजोर ईमारतें ढ़ह सकती है।
- क्षतिग्रस्त क्षेत्र में घूमने फिरने के लिए अपना दुपहिया वाहन/कार का इस्तेमाल नहीं करें। क्योंकि इससे बचाव एवं राहत कार्यो में बाधा उत्पन होती है।
- अगर आपके लिए अपना घर खाली करना अनिवार्य है तो आप जहाँ जा रहें हैं उस स्थान की जानकारी का संदेश छोड़े।
- नुकसान का मूल्यांकन करें एवं संरचना इंजीनियर की देखरेख में मरम्मत कार्य करायें।

भूकंप सुरक्षा उपाय विवरण के लिए देखें : www.nidm.gov.in/safety_earthquake.asp